भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर -2025-26

कक्षा-आठवीं	विभाग: हिंदी	
Study Metrial Grammar First Term		Note: Pl. file in the port folio

1 पर्यायवाची

प्रश्न 1 निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए

1	अंग	काया,शरीर
2	अनाज	अन्न , धान्य
3	इच्छा	चाह , कामना
4	किसान	हलधर, कृषक
5	कोष	निधि , खज़ाना
6	गहना	आभूषण, ज़ेवर
7	डर	भय, आतंक
8	दुष्ट	नीच, अधम
9	पक्षी	खग, विहग
10	बाल	केश, अलक
11	सवेरा	सुबह, प्रातः
12	साँप	सर्प , नाग
13	संसार	जग, दुनिया
14	स्त्री	औरत, महिला
15	हाथ	हस्त, कर

2 प्रत्यय

प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए: -

1. ता – कोमलता, सुंदरता

2. ई - मेहनती, लालची

3. आहट - कड़वाहट, गरमाहट

4. ईय - भारतीय, पर्वतीय

5. आवट - थकावट, सजावट

6. आई - पढ़ाई, लड़ाई

7. ईला - रंगीला, चमकीला

8. आवा - दिखावा, पहनावा

9. कार - चित्रकार, पत्रकार

10.दार - दुकानदार, हवादार

11.वाला - फलवाला, चायवाला

12.गर - सौदागर, जादूगर

13.आऊ - कमाऊ, बिकाऊ

14.आलु - दयालु, कृपालु

15.आवना - डरावना, सुहावना

3 उपसर्ग

प्रश्न-1 निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए

1 अति – अतिरिक्त , अत्यंत

2 अनु -अनुकूल , अनुसार

3 दुर् - दुर्जन, दुर्घटना

4 परा –पराजय , पराक्रम

5 उप -उपग्रह, उपवन

6 चौ - चौमासा,चौराहा

7 बा - बाअदब, बाकायदा

8- हम - हमशक्ल, हमजोली

9 कु - कुविचार, कुमार्ग

10 प्र - प्रबल, प्रहार

4 मुहावरे –

1 अगर-मगर करना (टाल-मटोल करना) – माँ ने अंकित से पढ़ने के लिए कहा तो वह अगर-मगर करने लगा।

2 आँखें खुलना (होश आना) – जब पांडव जुए में अपना सब कुछ हार गए तो उनकी आँखें खुलीं।

3 आँखों में धूल झोंकना (धोखा देना) – ठग यात्री की आँखों में धूल झोंककर उसका सामान लेकर भाग गया।

4 ईद का चाँद होना (बहुत दिनों बाद दिखाई देना) – अरे आयुष! कहाँ रहते हो? तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।

5 कमर कसना (चुनौती के लिए तैयार होना) – भारतीय सैनिक हर संकट के लिए कमर कसे रहते हैं ।

6 खून-पसीना एक करना (कठोर परिश्रम करना) – खून-पसीना एक करके ही हम, अपने लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं।

7 श्रीगणेश करना (शुभारम्भ करना) – नवरात्रि में श्यामा ने नए व्यापार का श्री गणेश किया।

8 घोड़े बेचकर सोना (**निश्चिंत रहना**) – परीक्षा देने के बाद आयुष घोड़े बेचकर सो रहा

है।

9 चिकना घड़ा (कुछ असर न होना) – राम पर किसी भी बात का कोई असर नहीं होता, वह तो चिकना घड़ा है।

10 **हाथ पाँव फूलना (घबरा जाना(** जंगल मे शेर को देखकर महेश के हाथ पाँव फूल गए ।

5 संज्ञा

संज्ञा किसे कहते हैं?

किसी भी व्यक्ति, वस्तु, जाति, भाव या स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं।

जैसे – मनुष्य (जाति), अमेरिका, भारत (स्थान), बचपन, मिठास (भाव),

संज्ञा के मुख्यतः **तीन** भेद होते हैं –

1 व्यक्तिवाचक 2 जातिवाचक संज्ञा, 3 भाववाचक संज्ञा

1 व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान और वस्तु के नाम का बोध होता है, वह शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाता है ।

जैसे – भगत सिंह, महात्मा गाँधी, दिल्ली, गोवा, मुंबई, ताजमहल, लालकिला, इत्यादि।

2- जातिवाचक संज्ञा

जिस किसी एक शब्द से किसी सम्पूर्ण जाति का बोध हो वह शब्द जातिवाचक संज्ञा शब्द कहलाता है।

जैसे –कार, मोबाइल, पहाड़, तालाब, स्त्री, गाय, शेर इत्यादि।

3- भाव वाचक संज्ञा

जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुण, कर्म, दशा, अवस्था, भाव आदि का बोध कराएँ वह शब्द भाववाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

जैसे –भूख, प्यास, गरीबी, बुढ़ापा, जवानी, बचपन, सुंदरता, कोमलता, कठोरता इत्यादि।

प्रश्न 1 निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँट कर भेद लिखिए –

1. राम एक बुद्धिमान बालक है।
2. यह किताब उसकी है।
3. पीतल के बर्तन में खाना बनाओ।
4. मोहन का घर दुबई में है।
5. टेबल पर अंगूर का गुच्छा पड़ा है।
6. राम और श्याम अच्छे मित्र हैं।
7. उसने सोने की अंगूठी पहन रखी है।
8. जयपुर राजस्थान की राजधानी है।
9. मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है।

10 राधा एक सुंदर लड़की है।

प्रश्न 2 रिक्त स्थानों में उचित संज्ञा शब्द भरिए –

1 ----------------- सारा दूध पी गई ।

2 मोहन सामान खरीदने ----------------- जाएगा ।

3 दोनों -------------- खोल दो ।

4 मेरे विद्यालय का नाम ------------------------------ है ।

5 इस बच्चे को देखकर मुझे अपना ---------------- याद आ गया ।

6 मोहन के --------------अध्यापक हैं ।

प्रश्न 3 दिए गए शब्दों को भाव वाचक संज्ञा में बदलिए –

1 मित्र -

2 इंसान –

3 चिकना –

4 हरा –

5 चतुर –

6 युवा –

7 सुंदर –

8 गरीब –

9 भूखा –

10 चुनना –

11 मम –

12 ठंडा –

प्रश्न 4 कोष्ठक में दिए गए शब्दों के भाववाचक संज्ञा रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1 मुझे देखते ही उसके चेहरे की ------------------- उड़ गई । (रंग)

2 इस दूध में बिलकुल ---------------------नहीं है । (चिकना)

3 शर्मा जी की ---------------------इन दिनों ठीक से नहीं चल रही । (वकील)

4 कोयल की वाणी में बहुत -------------- होती है ।   (मीठा)

5 माँ की -------------------- का कोई मेल नहीं है ।   (मम)

6 अनुस्वार व अनुनासिक

अनुस्वार का शाब्दिक अर्थ है - अनु+स्वार अर्थात स्वर के बाद आने वाला।

दूसरे शब्दों में – 'अनुस्वार' स्वर के बाद आने वाला व्यंजन है। इसकी ध्वनि नाक से निकलती है। हिंदी भाषा में अनुस्वार का चिह्न बिंदु (ं) है । इसी रूप में अनेक स्थानों पर इसका प्रयोग किया जाता है।

जैसे :- चंचल, संभव, अंबर, सुंदर, मंगल, बंदर, पंकज |

हिंदी वर्णमाला के पाँच-वर्गों को अवश्य जानिए -

1- 'क' वर्ग यानी क, ख, ग, घ, ङ

2- 'च' वर्ग यानी च, छ, ज, झ, ञ

3- 'ट' वर्ग यानी ट, ठ, ड, ढ, ण

4- 'त' वर्ग यानी त, थ, द, ध, न

5- 'प' वर्ग यानी प, फ, ब, भ, म

नियम- अनुस्वार पंचम वर्णों के स्थान पर लगाएँ |

अनुस्वार (ं) का प्रयोग पंचम वर्ण (ङ्, ञ्, ण्, न्, म् - ये पंचमाक्षर कहलाते हैं) के स्थान पर किया जाता है। जैसे -

गड्.गा - गंगा / चञ्चल - चंचल / झण्डा - झंडा / गन्दा - गंदा / कम्पन - कंपन

अनुनासिक' शब्द 'अनु+नासिक' के योग से बना है । 'अनु' उपसर्ग है जिसका अर्थ है- अनुगमन करना और 'नासिक' का अर्थ है – नाक । जब वायु मुख के साथ-साथ नासिका – मार्ग से बाहर निकलती है, तब उच्चारित होने वाले सभी स्वर 'अनुनासिक' कहलाते हैं । 'अनुनासिक' का चिह्न है चंद्रबिंदु (ँ) ।

जैसे- चाँद , हँसना , गाँव , आँख , ऊँट , पाँच ,बाँसुरी आदि ।

नियम- जिन स्वरों का उच्चारण मुख और नासिका दोनों से किया जाता है, उन्हीं स्वरों को लिखते समय वर्ण के ऊपर अनुनासिक के चिह्न (ँ) प्रयोग किए जाते हैं।

यह ध्वनि (अनुनासिक) वास्तव में स्वरों का गुण होती है। अ, आ, उ, तथा ऊ स्वर वाले शब्दों में इसे लगाया जाता है।

जैसे – अँधेरे, साँस, बाँधना, कुआँ, मुँह, धुँधला, फूँकना, सकूँगा, आदि।

सरल रूप में समझने के लिए बता दूँ कि जिस वर्ण के ऊपर कोई मात्रा न हो वहीं अनुनासिक चिह्न लगाएँ|

प्रश्न 1 **निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार व अनुनासिक का प्रयोग कर के पुनः लिखिए -**

1	सुदर	
2	रग-बिरगी	
3	घटो	
4	सड़को	
5	चूड़ियो	
6	परतु	
7	वसत	
8	लबी	
9	शाति	
10	सभव	
11	पद्रह	
12	हाथो	
13	कगन	
14	पडित	
15	सवाद	
16	ससार	
17	मयक	
18	हिसा	
19	पखा	
20	दडित	
21	सारगी	
22	कुरग	

प्रश्न 2 **निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कर के पुन: लिखिए –**

1	गोलिया	
2	चूड़िया	
3	पाच	
4	कलाइया	
5	खासता	
6	बाचता	
7	आकते	
8	पाखो	
9	चिट्ठिया	
10	अगड़ाई	
11	गवार	
12	अधेरा	
13	सवारना	
14	काच	
15	गूगा	
16	चाद	
17	हवाइया	
18	आगन	
19	बूद	
20	बाध	
21	छाटकर	
22	पाच	
23	उक्तिया	
24	महगाई	

7विराम चिह्न

विराम का अर्थ है - 'रुकना' या 'ठहरना'। अपने विचारों या भावों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए हम रुकते हैं। इसी को विराम कहते है। इन्हीं विरामों को प्रकट करने के लिए हम जिन चिह्नों

का प्रयोग करते हैं, उन्हें 'विराम चिह्न' कहते हैं।

जैसे-

(2) रोको, मत जाने दो।

(3) रोको मत, जाने दो।

विराम-चिह्न का नाम और चिह्न

1. पूर्ण विराम (Full stop) ।
2. अर्ध विराम (Semi-colon) ;
3. अल्प विराम (Comma) ,
4. प्रश्नवाचक चिह्न (Question mark) ?
5. विस्मयवाचक चिह्न (Exclamation mark) !
6. योजक या विभाजक (Hyphen) –
7. निर्देशक (Dash) –
8. उद्धरण चिह्न (Inverted comma) ' ',“ ”
9. विवरण चिह्न (Sign of following) :-
10. कोष्ठक (Bracket) ( )
11. हंस पद (Sign of leftout) , विस्मरण या त्रुटिपूरक चिह्न -Oblivion Sign (^)
12. लाघव चिह्न (Sign of abbreviation) ०
13. उपविराम चिह्न(Colon) :

1-पूर्ण विराम (।)

पूर्णविराम का अर्थ है, पूरी तरह रुकना या ठहरना। जहाँ एक बात पूरी हो जाए या वाक्य समाप्त हो जाए वहाँ पूर्ण विराम (।) चिह्न लगाया जाता है।

जैसे- 1- मैं पढ़ रहा हूँ। 2- वह जा रहा है |

2-अल्प विराम- (,)

अल्प का अर्थ होता है- थोड़ा। अल्पविराम का अर्थ हुआ- थोड़ा विश्राम अथवा थोड़ा रुकना। बातचीत करते समय अथवा लिखते समय जब हम बहुत-सी वस्तुओं का वर्णन एक साथ करते हैं, तो उनके बीच-बीच में अल्पविराम का प्रयोग करते हैं।

जैसे- 1-भारत में गेहूँ, चना, बाजरा, मक्का आदि बहुत-सी फसलें उगाई जाती हैं।

3-अर्ध विराम - (;)

जहाँ अल्प विराम से कुछ अधिक ठहरते हैं तथा पूर्ण विराम से कम ठहरते हैं, वहाँ अर्द्ध विराम चिह्न (;) लगाया जाता है।यदि एक वाक्य या वाक्यांश के साथ दूसरे वाक्य या वाक्यांश का संबंध बताना हो तो वहाँ अर्ध विराम का प्रयोग होता है।

जैसे – 1-सूर्यास्त हो गया; लालिमा का स्थान कालिमा ने ले लिया।

4-योजक चिह्न - (–)

हिंदी में अल्पविराम के बाद योजक चिह्न का प्रयोग अधिक होता है। दो शब्दों में परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लिए तथा उन्हें जोड़कर लिखने के लिए योजक-चिह्न (–) का प्रयोग किया जाता है। इसे 'विभाजक-चिह्न' भी कहते हैं।

जैसे- 1-जीवन में सुख-दुःख तो चलता ही रहता है। 2-रात-दिन परिश्रम करने पर ही सफलता मिलती है।

5-कोष्ठक चिह्न - ()

कोष्ठक चिह्न () का प्रयोग, अर्थ को और अधिक स्पस्ट करने के लिए शब्द अथवा वाक्यांश को कोष्ठक के अंदर लिखकर किया जाता है।

वाक्य के बीच में आए शब्दों अथवा पदों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है।

जैसे - 1-अध्यापक (चिल्लाते हुए) " निकल जाओ कक्षा से।" 2-विश्वामित्र (क्रोध में काँपते हुए) ठहर जा।

6-लाघव चिह्न - (०)

किसी बड़े तथा प्रसिद्ध शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए उस शब्द का पहला अक्षर लिखकर उसके आगे शून्य (०) लगा देते हैं। यह शून्य ही लाघव-चिह्न कहलाता है।

जैसे - 1-डॉक्टर के लिए — डॉ० 2-पंडित के लिए — पं०

7-विस्मयादिबोधक चिह्न - (!)

विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग वाक्य में हर्ष, विवाद, विस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि का बोध कराने के लिए किया जाता है|

जैसे -1-हाय !,2-आह !,3-छि !,4-अरे !,5-शाबाश !

8-प्रश्नवाचक चिह्न - (?)

जब किसी वाक्य में सवाल पूछे जाने का भाव उत्पन्न हो तो उस वाक्य के अंत में 'प्रश्नसूचक चिह्न' (?) का प्रयोग किया जाता है।

बातचीत के दौरान जब किसी से कोई बात पूछी जाती है अथवा कोई प्रश्न पूछा जाता है, तब वाक्य के अंत में प्रश्नसूचक-चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे - 1-वह क्या खा रहा है? 2- वह कहाँ जा रहा है?

9-अवतरण या उद्धरण चिह्न - (" ")

किसी की कही हुई बात को उसी तरह प्रकट करने के लिए अवतरण चिह्न (" ") का प्रयोग किया जाता है।

महत्त्वपूर्ण कथन, कहावत, संधि आदि को उद्धृत करते समय उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है।

जैसे – 1-तुलसीदास ने सत्य कहा है — "पराधीन सपनेहु सुख नाहीं।"

10-विस्मरण या त्रुटिपूरक चिह्न -Oblivion Sign (^)

विस्मरण चिन्ह (^) का प्रयोग लिखते समय किसी शब्द को भूल जाने पर किया जाता है।

जैसे - 1- राम ^ जाएगा।

2- उसने एक ^ सुनाई |

11-निर्देशक चिह्न - (—)

निर्देशक चिन्ह (—)का प्रयोग विषय, विवाद, प्रत्येक शीर्षक के आगे, उदाहरण के पश्चात, कथोपकथन के नाम के आगे किया जाता है।

जैसे – 1- श्री राम ने कहा — सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

2- प्रधानाध्यापक ने कहा – कल विद्यालय में अवकाश है।

12 विवरण चिह्न (:-) – कुछ सूचना, निर्देश आदि देने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है; जैसे –

- कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते है:-अकर्मक और सकर्मक।
- राजा दशरथ के चार पुत्र थे: – राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न।

13 उपविराम :वाक्य में जब कोई ख़ास बात कहनी हो,कोई शीर्षक देना हो तब विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है ।

*फलों का राजा : आम

प्रश्न 3 निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए-

1.माँ ने पूछा ये आम अमरूद और जामुन कहाँ से लाया

उ.माँ ने पूछा, "ये आम, अमरूद और जामुन कहाँ से लाया ?"

2.वाह कितना सुंदर दृश्य है

उ.वाह ! कितना सुंदर दृश्य है ।

3.सदैव आगे बढ़ते रहो रुकना मृत्यु का नाम है

उ. सदैव आगे बढ़ते रहो; रुकना मृत्यु का नाम है ।

4.मेरे पिताजी ने एम ए और पी एच डी की है

उ. मेरे पिताजी ने एम॰ए और पी॰एच॰डी की है ।

5.आपने उसे क्यों बुलाया

उ.आपने उसे क्यों बुलाया ?

6.छायावाद के चार प्रमुख कवि हैं प्रसाद निराला पंत तथा महादेवी

उ.छायावाद के चार प्रमुख कवि हैं—'प्रसाद', 'निराला', 'पंत' तथा 'महादेवी'।

7 सूर्यास्त हो गया लालिमा का स्थान कालिमा ने ले लिया

उत्तर 7 सूर्यास्त हो गया ;लालिमा का स्थान कालिमा ने ले लिया ।

8 सूर्योदय हो गया चिड़िया चहकने लगी और कमल खिल गए

उत्तर सूर्योदय हो गया ;चिड़िया चहकने लगी और कमल खिल गए।

प्रश्न 4 दिए गए विराम चिह्नों के नाम को सही विराम चिह्न से मिलान करें -

क्रम संख्या	विराम चिह्न के नाम	विराम चिह्न
1	पूर्ण विराम	:
2	अल्प विराम	!
3	उप विराम	I
4	अर्द्ध विराम	?
5	योजक चिन्ह	“………”
6	विस्मयादिबोधक चिन्ह	,
7	प्रश्नवाचक चिन्ह	;
8	अवतरण चिन्ह	–

प्रश्न 5 दिए गए विराम चिह्न के सामने उनके सही नाम लिखिए।

1. (,) .... **4. (?) ....**

2 (!) .... **5. (“ ”) ....**

3. (-) .... **6. (।) ....**

8 सर्वनाम

जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं उन्हें सर्वनाम कहते हैं –

जैसे – मैं ,तुम आप आदि

1नीचे लिखे वाक्यों में से सर्वनाम पहचान कर लिखिए -

1मैं खाना खा रहा हूँ।

2यह किताब आपकी है।

3कोई यहाँ आया है?

4 जिसकी लाठी, उसकी भैंस।

5 भोजन में कुछ गिर गया है।

6 वे मैच नही खेलेंगे।

7 उन्होंने कड़ी मेहनत की है।

8 वह कल विद्यालय नहीं आया था।

9 उन्हें रोको मत, जाने दो।

10 तुम्हें जल्दी आना चाहिए था।

2 निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उपुक्त सर्वनाम शब्दों द्वारा कीजिए ।

1 --------------सत्य बोलते हैं, -------------कभी नहीं डरते ।

2 मोहन की पुस्तक ------------ पास है ।

3 बच्चा रो रहा है, -----------भोजन दे दो ।

4 आपसे ------------मिलने आया है ।

5 ------------------ कल मुंबई जाएँगे ।

3 सही सर्वनाम शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

1 जो मेहनत करता है ------------कभी सफल नहीं होता । (वो / वह)

2 ----------------- सोफ़े पर बैठ जाइए । (आप / तुम)

3 ------------ बहुत देर से दरवाज़ा खटखटा रहा है ।(कुछ / कोई)

4 ---------- उनकी बात अवश्य माननी चाहिए ।(तुम्हें / तुम)

5 -------- कहाँ जा रहा है ।(वह / वे)

9 विशेषण

जो शब्द संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताते हैं उन्हें विशेषण कहते हैं –

जैसे – <u>सुंदर</u> फूल

प्रश्न 1 वाक्यों में दिए विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए ।

1. राहुल ने लाल कमीज पहनी है।
2. घोड़ा तेज दौड़ता है।
3. कोयल मीठा बोलती है।
4. आम बहुत खट्टा है।
5. सोहन एक अच्छा लड़का है।
6. कौआ काला होता है।
7. हमने गुजराती गीत गाए।
8. इस डब्बे में दस किताबें हैं।
9. आयुष काफी समझदार है।
10. मेरे पास आलू की कई बोरियाँ हैं ।

प्रश्न 2 उचित विशेषण द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

1 मनुष्य एक ------------------- प्राणी है ।

2 ------------ सेठ का बुरा अंत हुआ ।

3 हमारा -----------खेल हॉकी है ।

4 ----------------- तेनालीराम को कौन नहीं जानता ।

5 ---------------- लोगों से सावधान रहना चाहिए ।

6 दाँतों की ---------- बार सफ़ाई करनी चाहिए ।

7 रास्ते में ------------- पत्थर पड़ा था ।

8 रीता ने -------------- दूध से खीर बंनाई ।

10संधि

संधि की परिभाषा - दो वर्णों (स्वर या व्यंजन) के मेल से जो परिवर्तन होता है उसे संधि कहते हैं। जैसे – हिम + आलय = हिमालय

संधि विच्छेद- उन पदों को मूल रूप में अलग कर देना संधि विच्छेद कहलाता है।जैसे – विद्यालय = विद्या +आलय

<u>स्वर संधि</u>

संधि का अर्थ है – मेल।जब दो ध्वनियाँ निकट होने पर आपस में मिल जाती है और नया रूप धारण कर लेती हैं तो वहाँ दो ध्वनियों की संधि होती है ।

संधि के भेद – 1.स्वर संधि 2.व्यंजन संधि 3.विसर्ग संधि

स्वर संधि – दो स्वरों के मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं ।

इसके पाँच प्रकार हैं- i) दीर्घ ii) गुण iii) वृद्धि iv) यण v) अयादि

i)दीर्घ संधि -अ, आ + अ, आ = आ

(ii) इ, ई + इ, ई = ई

(iii) उ, ऊ + उ, ऊ = ऊ

उदाहरण :- पर + अधीन = पराधीन

सत्य + आग्रह = सत्याग्रह

महा + आत्मा = महात्मा

यथा + अर्थ = यथार्थ

रवि + इंद्र = रवींद्र

गिरि + ईश = गिरीश

सु + उक्ति = सूक्ति

वधू + उत्सव = वधूत्स

- निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए – 2 निम्नलिखित शब्दों की संधि-विच्छेद कीजिए

1 दया +आनंद = ------------------------ 1 साधूत्सव ----------------------

2 अधिक +अंश =-------------------- 2 नारींद्र ---------------------

3 नारी +इंद्र =------------------- 3 रवीश ---------------------

4 लक्ष्मी +इच्छा =--------------------- 4 रजनीश-------------------

5 लघु +उत्तर =------------------------------- 5 महात्मा ----------------

6 सिंधु +ऊर्मि =--------------------------- 6 हिमालय --------------

7 रजनी + ईश =--------------------- 7 भोजनालय-----------------

8 भानु+उदय =----------------------------- 8 गुरूपदेश -------------------

9 राम + अवतार = --------------------- 9 सिंधूर्मि----------------------

10 भू +ऊर्जा =------------------------- 10 कवीश्वर--------------------